RJ-02

December - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - RJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योडौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियौड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै लिख्या निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर लिखौ।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है। आपरै जवाब री सीमा 30 सबदां सूं बेसी नीं हुवणी चाईजै। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) ''द्रोपदी विनय'' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(ii) ''चेत मानखा'' अर ''उछाळो'' रा रचनाकार कवि रौ नांव बताऔ।

(iii) चावी रचना ''सैनाणी'' रा रचनाकार कुण हा?

(iv) ''राधा'' अर ''लस्कर ना थमै'' किणरी काव्य पोथियां है?

(v) ''संगती सुजस'' काव्य पोथी रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(vi) ''देस–दरपण'' किणरी रचना है?

(vii) ''चेतावणी रा चूंगट्या'' किणरी प्रसिद्ध रचना है?

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब दो सौ सबदां री सींव में लिखौ।

2) चावा कवि संकरदान सामौर रौ व्यक्तित्व उजागर करौ।

3) केसरी सिंह बारहठ री जीवनी बाबत आपरी जाणकारी साझी करौ।

4) चावा कवि प्रेमजी प्रेम री कवितावां री विसेसतावां उजागर करौ।

5) कवि कल्याणसिंह राजावत री रचनावां बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

6) ''सोनेट'' छंद परम्परा री जाणकारी देंवता थकां उण मांय मोहन आलोक रौ योगदान उजागर करौ।

7) आधुनिक राजस्थानी प्रगतिशील काव्य परम्परा माथै जाणकारी परक टीप लिखौ।

8) राजस्थानी कवितावां में चित्रित लोकजीवण नै उदाहरणां साथै उजागर करौ।

9) कविवर गोरधन सिंह शोखावत रचित काव्यकृति ''पनजी–मारू'' री समीक्षा करौ।

खण्ड – स **2 × 14 = 28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा जवाब पांच सौ सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 14 अंक रौ है।

10) राजस्थानी रा सिरै कवि सूर्यमल्ल मीसण री चावी रचना ''वीर सतसई'' री काव्यगत समीक्षा करौ।

11) चावा कवि प्रेमजी प्रेम रौ व्यक्तित्व उजागर करता थकां उणारी रचनावां री समीक्षा करौ।

12) गिरधारीसिंह पड़िहार री काव्यकृतियां ''जागती जोतां'' अर ''मानखौ'' री काव्यपरक दीठ सूं समीक्षा करौ।

13) कवि गोरधनसिंह शेखावत रै साहित्यिक योगदान री विस्तार सूं समीक्षा करौ।